

झारखंड गजट

असाधारण अंक

झारखंड सरकार वारा काशत

सं या-815 राँची, शुवार,

13कातक, 1938 (श०)

4नवबर,2016(ई०)

वध (वधान) वभाग

अ&धसूचना

30)सतबर, 2016

संया-एल०जी०-14/2016-161/लेज०--झारखंड -वधान मंडल का नन)ल0खत अ&धनयमिजस पर रा4यपाल 5दनांक 30)सतबर, 2016 को अनुमत दे चुक9ं है, इसके =वारा सवसाधारण क9 सूचना के)लए @का)शत Aकया जाता है ।

झारखंड र&ा शि(त व)ववयालय अध*नयम-2016

(झारखंड अध*नयम संया- 22,2016)

वषय सूची

1. संCDEत नाम और @ारंभ
2. पHRभाषाएँ
3. -वJव-व=यालय क9 Kथापना और समावेशन
4. -वJव-व=यालय का मुयालय
5. -वJव-व=यालय के उदेJय
6. -वJव-व=यालय)लंग, धम, वग अथवा मतवाद से परे सबके)लए खुला होगा
7. -वJव-व=यालय क9 शिOतयाँ तथा काय
- 2 झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016
8. ी कुला&धपत
9. कुलपत
10. @त कुलपत
11. -वSत परामशT
12. नदेशक, शोध एवं -वकास
13. कुलस&चव
14. -वJव-व=यालय के @ा&धकार

15. -वजव-व=यालय के अ&धकारU
16. शासी पहरष=
17. पहरष= के काय एवं शिOतयाँ
18. पहरष= के काय एवं शिOतयाँ
19. अकाद)मक पहरष=
20. अकाद)मक पहरष= के काय एवं शिOतयाँ
21. -वst स)मत
22. -वst स)मत के काय एवं शिOतयाँ
23. नदेशक
24. संकायाVयD
25. रा4य सरकार के =वारा भुगतान
26. -वजव-व=यालय का कोष
27. लेखा एवं अंकेDण
28. पWशन, बीमा एवं भ-वXय न&ध
29. हरिOतयाँ के =वारा अ&धनयम और कायवाहU का अमाYय नहUं होना
30. -वजव-व=यालय =वारा Zड[ी, Zडेलोमा या @माण प\] का @दsतीकरण
31. @तवेदन एवं सूचना
32. अ&धकाहरय] और कमचारU लोक सेवक ह]गे
33. -वजव-व=यालय मW कायरत ^यिOतय] क9 सेवा क9 समािEt, पद_युतकरण, अवनत या
बखाKतगी
34. रा4य सरकार क9 नद'श देने संबंधी शिOतयाँ
35. -वनयम बनाने क9 शिOत
36. @थम कुलस&चव क9 नयुिOत
37. अKथायी @ावधान
38. Dतपूत
39. क5ठनाईय] को दूर करने के)लए रा4य सरकार क9 शिOत

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016 3

झारखंड र&ा शि(त व)ववयालय अध*नयम-2016

/तावना

यह -वचारणीय है Aक समाज मW शांत और समरसता बनाये रखने तथा कानून और ^यवKथा सुनिश्चित करने मW पुलस और @शासन क9 भूमिका महसववपूर्ण है ।

समय के अनुबप आवश्यकता है Aक-(i) रा4य के पुलस, केYदुय पुलस एवं सेना तथा नजी सुरDा संगठन] क9 आवश्यकताओं क9 पूत के)लए सDम, (@)शCDत और पेशेवर मानवबल तैयार करने, (ii) रा4य के पुलस, केYदुय पुलस एवं सेना तथा नजी सुरDा संगठन] मW अपने कैहरयर के नमाण हेतु रा4य के युवाओं

के)लए अवसर, (iii) -व)भयन AकKम के अपराध] यथा- आतंकवाद, आ&थक अपराध, साइबर अपराध, दूरसंचार अपराध एवं ऐसे अपराध िजनमW Yयायक -वहान मW -वशेषता क9 जबरत है, के Dे\ मW उSपयन हो रहU चुनौतय] से नबटने के)लए मानवबल का @)शDण एवं तैयारU ।

अतएव, झारखण्ड सरकार ने यह नणय)लया है Aक झारखण्ड रा4य मW एक -वजव-व=यालय क9 Kथापना और समावेशन हो िजसे 'झारखण्ड रDा शिOत -वजव-व=यालय' के bप मW जाना जाय ।

एतद=वारा भारतीय गणरा4य के सड़सकवW वष मW झारखंड िबधान सभा =वारा नन)ल0खत bप मW अ&धनय)मत Aकया जाता है ।

अ0याय- I

ारंभक

1. सं1&2त नाम और ारंभ:

- (1) यह अ&धनयम “झारखण्ड रDा शिOत -वजव-व=यालय अ&धनयम-2016” कहा जाएगा ।
- (2) यह तुरंत @वृSत होगा ।

2. प6रभाषाएँ:

इस अ&धनयम मW जबतक Aक संदभ को अYयथा जबरU न हो:-

- (i) ‘अकाद)मक पहरषद’ का अथ है धारा 19 के तहत ग5ठत -वजव-व=यालय का अकाद)मक पहरष=;
- (ii) ‘शासी पहरष=’ का अथ है धारा 16 के अंतगत ग5ठत -वजव-व=यालय का शासी पहरष=;
- (iii) ‘संकायाVयD’ का अथ है धारा 24 के अंतगत नयुOत -वजव-व=यालय के संकायाVयD;

4

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

- (iv) ी ‘नदेशक शोध एवं -वकास’ का अथ है धारा 12 के तहत नयुOत -वजव-व=यालय के नदेशक शोध एवं -वकास;
- (v) ‘नदेशक’ का अथ है धारा 23 के अंतगत नयुOत -वजव-व=यालय के संKथान] के नदेशकगण;
- (vi) ‘-वSत स)मत’ का आशय है धारा 21 के तहत ग5ठत -वजव-व=यालय क9 -वSत स)मत;
- (vii) ‘-वSत परामशT’ का अथ है धारा 11 के अंतगत नयुOत -वजव-व=यालय के -वSत परामशT;
- (viii) ‘-व5हत’ का अथ है -वनयम =वारा -व5हत;
- (ix) ‘@त कुलपत’ का अथ है धारा 10 के अंतगत नयुOत -वजव-व=यालय के @तकुलपत;
- (x) ‘कुलस&चव’ का अथ है धारा 13 के अंतगत नयुOत -वजव-व=यालय के कुलस&चव;
- (xi) ‘-वनयम’ का अथ है धारा 35 के अधीन न)मत -वजव-व=यालय के -वनयम;
- (xii) ‘-वजव-व=यालय’ का आशय है धारा 3 के तहत Kथा-पत और समावे)शत झारखण्ड रDा शिOत -वजव-व=यालय;
- (xiii) ‘कुलपत’ का अथ है धारा 9 के अंतगत नयुOत -वजव-व=यालय के कुलपत ।

अ0याय- II

व)ववयालय

3. व)ववयालय क9 /थापना और समावेशन:

- (1) ‘झारखण्ड रDा शिOत -वजव-व=यालय’ के नाम से एक -वजव-व=यालय क9 Kथापना क9 जाएगी ।
- (2) कुलपत, @त-कुलपत, -वSतीय सलाहकार, शासी पहरष=, अकाद)मक पहरष=, नदेशक, नदेशक अनुसंधान और -वकास, संकायाVयD, कुलस&चव एवं अYय अ&धकारU एत= =वारा ‘झारखण्ड रDा शिOत -वजव-व=यालय’ के नाम से नकाय का गठन करWगे, जब तक Aक वे इस पद पर हp अथवा उनक9 सदKयता बनी रहेगी ।

(3) -वाव-व=यालय एक ऐसा नकाय होगा जो सतत् पद-@ांित अनुम और सामायय @तहा के तहत संचालित होगा । इस अधिनयम के @ावधान के तहत उसे संपिस्ट के अधिहण और उस पर कवा)मसव रखने, उसे सं-वदा पर देने और िजसे दये गये नाम पर वाद चलाने का अधिकार होगा, या िजस पर वाद दायर अकया जा सकेगा ।

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 5

4. व)ववयालय का मुयालय:

-वाव-व=यालय का मुयालय उस कथान पर हो सकेगा, िजसका उलेख रा4य सरकार =वारा

शासक9य राजप मW अधसूचत अकया जाएगा ।

5. व)ववयालय के उ=ेय:

-वाव-व=यालय के नन)ल0खत उ=ेय हगे, यथा:-

- (i) सुरडा बल क9 संपूण कायशैलU मW उसकृXटता लाने हेतु सुरडा -वहान और @बंधन मW एक संकथान का -वकास करना;
- (ii) आंतरक सुरडा के सभी मामल मW शोध/अनुसंधान को आगे बढ़ाना;
- (iii) ियोटगत और सामाजिक -वकास के संदभ मW -वध @वतक अ)भकरण के =वारा हान और कौशल के लाभ का -वकतार करना;
- (iv))शडक तथा -व=याधय को अधगम @आ के)लए सु-वधाँ उपलवध कराना ताक शैCDक उसकृXटता के साथ -व=याधय पर -वशेष वयान दया जा सके;
- (v) @)शडण मW नवाचार के =वारा सुरडा बल के)लए)शडण-@णालU का -वकास और संचालन;
- (vi) -वचार व मूय के संवन और -वकास तथा भारतीय सं-वधान के @त xwा को सुरCDत करने क9 यिXट से पुलस एवं अयय सुरडा बल क9 काय-@णालU का उयनयन;
- (vii) -वध के शासन के)लए समान और ययायसंगत @शासन के @त -ववास का -वकास करना;
- (viii) सतत्)शडा और अयास के =वारा जी-वकोयमुख पाक्यम को @ारंभ करना;
- (ix) सुरडा बल के साथ जनसामाय के बेहतर परकपर संवाद के)लए शोधकाय और कायम के आयोजन का कायावयन;
- (x) रा4य के युवाओं को @भावी और सडम सुरडा कायकता बनने के)लए तैयार करना तथा उत उ=ेय से पाठयम का संचालन एवं Zड्ी (उपाध), Zडेलोमा और @माण-प @दान करना;
- (xi) ऐसे अयय उ=ेय, िजनका इस अधिनयम के @ावधान मW सामंजकय नहुं हुआ है, का -वाव-व=यालय के आवेदन पर शासक9य राजप मW अधसूचना के =वारा रा4य सरकार क9 ओर से न5दXट अकया जा सकता है ।

6

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016

6. व)ववयालय लंग, धम>, वग>, पंथ अथवा मतवाद से परे सबके लए खुला होगा:ी

- (1) अकसी भी ियोट को -वाव-व=यालय के अकसी कायालय अथवा उसके अकसी @ाधिकार क9 सदकयता से, नकाय अथवा स)मत से बाहर नहुं अकया जा सकता अथवा अकसी Zड्ी, Zडेलोमा या अयय अकाद)मक वै)शखय अथवा पाक्यम मW नामांकन से

लंग, वंश, पंथ, जात, वग, जयम के Kथान, धा)मक -वजवास या राजनीतक या अयय मतवाद के आधार पर भेदभाव कर वं&चत नहUं Aकया जाएगा ।

(2) -वजव-व=यालय के)लए यह वैध नहUं होगा Aक Aकसी ^यिOत पर अपनी जाँच @Aया, लंग, वंश, पंथ, जात, वग, जयम के Kथान, धा)मक -वजवास या राजनीतक वृिSt या अयय मतवाद के आधार पर करके, उसे)शDक या -व=याथT के bप मW दा0खला दे अथवा -वजव-व=यालय के Aकसी कायालय या पद को धारण कराये अथवा Aकसी भी Zड[ी (उपा&ध), Zडेलोमा अथवा अयय अकाद)मक वै)शX{य @दान करे अथवा -वजव-व=यालय के Aकसी -वशेषा&धकार का उपयोग @दान करे अथवा उसके उपकार का अ&धकारU बनाए ।

7. व)ववयालय क9 शि(तयाँ तथा काय>ः

इस अ&धनयम के @ावधान] के अनुbप -वजव-व=यालय नन)ल0खत शिOतय] का @योग करेगा और काय] को नXपा5दत करेगा, यथा-

- (1) -वजव-व=यालय का @शासन एवं @बंधन, तथा -वजव-व=यालय के उsे]य] के @ोससाहन के)लए आवजयक शोध,)शDण और अनुदेशन के संKथान] व केYd] क9 Kथापना ।
- (2) पु)लस सेवा और पु)लस -वहान एवं सैयय -वहापन क9 शाखाओं और अ&धगम के अनुकूल अनुदेश @)शDण तथा शोध उपलवध कराना ।
- (3) इलेO}ोनक तथा दूरKथ)शDण तं एवं -वतरण @णा)लय] मW लचीलापन उपलवध कराते हुए पाकयम एवं पाकयचया का नधारण ।
- (4) परUDाओं का आयोजन तथा Aकसी ^यिOत के नाम -वजव-व=यालय =वारा तय शत] के साथ उपा&ध, Zडेलोमा या @माण-प और अयय अकाद)मक -व)शXटता @दान करना अथवा -वनयम] मW व0णत तरUके से उस उपा&ध, Zडेलोमा या @माण-प और अयय अकाद)मक -व)शXटता या नाम को वापस ले लेना ।
- (5) व0णत तरUके के अनुbप मानद उपा&ध या अयय -व)शXटता @दान कर पाना ।
- (6) -वजव-व=यालय के मतानुसार इसके उsे]य] के @ोससाहन के)लए -वशेष केYd], -वशेष अवययन केYd] अथवा अनुसंधान एवं -वकास हेतु अयय -व)शXट केYd] क9 Kथापना ।

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 7

- (7) शोध,)शDण साम[ी एवं अयय काय] के)लए मुदण, @काशन तथा पुनbsपादन हेतु @बंधन और @दशनय], कायशालाओं, संगोिXठय], समेलन] आ5द का आयोजन ।
- (8) पु)लस को वKतुगत yिXट से पहरणामोYमुख बनाने के)लए ^यावहाHरक -वहान, @ौ=यो&गक9 एवं समवगत Dे] मW अयवेषण, संसूचन (खोज) एवं अपराध रोकने तथा अपराध से पीZड़त] के पुनवास से संबंw Dे] मW अनुसंधान से जुड़े सभी कृSय] का @ायोजन एवं दायSव वहन करना ।
- (9) समान अथवा समbप उsे]य] के)लए Aकसी शैCDक संKथान के साथ सहयोग एवं संबwता ।
- (10) दुनया के Aकसी भी 5हKसे के शैCDक एवं अयय संKथान] के साथ संबंध बनाने और सहयोग Kथा-पत करने के)लए पूणतया अथवा अंशतया)शDक], -व=या&थय] और शोधा&थय] का सामायय तरUके से आदान-@दान, जो समान उsे]य] के)लए @ेरक हो ।
- (11) अपराध] के अयवेषण एवं संसूचन और अपरा&धक ययाय तं के कारण] के अनुसंधान के Dे\ के -वशेषh तथा)शDक] और शोधा&थय] के बीच संबंध रखना और उसे आगे बढ़ाना ।
- (12) -वजव-व=यालय के ^यय का नयमन और -वSt का @बंधन तथा लेखा का रख -रखाव ।

- (13) जिस @योजन एवं उद्देश्य से -वजव-व=यालय बना है, उसके)लए अनुदान, चंदा, दान और उपहार @ाएत करने तथा केयुत सरकार, रा4य सरकार, -वजव-व=यालय अनुदान आयोग अथवा अयय @ाधकार] या नकाय] के साथ अनुदान @ाएत के समझौते मW सिम)लत होना ।
- (14) -वजव-व=यालय के उद्देश्य एवं लक्ष्य क9 @ाएत के)लए हकतांतरण =वारा चल एवं अचल संपिस्त, उपहार, दान, उपकार अथवा वसीयत के ढप मW उ=योग अथवा अयय ाोत] से नध @ाएत करना ।
- (15) सभागार का नमाण, रखरखाव तथा @बंधन एवं -वजव-व=यालय के -व=याधय] के नवास के)लए छाावास तथा संकाय सदकय], अधकाहरय] और कमचाहरय] के)लए आवास तथा अतध गृह का नमाण ।
- (16) -वजव-व=यालय के नवासी -व=याधय] के बीच अनुशासन बनाए रखने और उनके कवाकय, सामायय कन्याण एवं सांकृतक गत-वधय] के @ोसाहन, संववन हेतु पयवेडण, नयण तथा नयमन ।
- (17) फेलो)शप, छावृिस्त, पुरकार, मेडल तथा अयय इनाम गठत करना ।
- (18) नधाहरत तरुके से फ9स एवं अयय शुक्र तय करना, मांगना तथा @ाएत करना ।
- (19) -वजव-व=यालय आवश्यकता अथवा @योजन को पूरा करने क9 यिखट से भूम या भवन को खरुदने या प्े पर लेने का काय कर सकेगा और यह उन नयम] और शत] के ढप मW मायय 8 झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016
- ी हो सकता है जिससे अकसी भवन को बनाने या काय करने, उसमW पहरवतन करने तथा रखरखाव हेतु उधत हो ।
- (20) -वजव-व=यालय के षहत, गत-वधय] एवं उद्देश्य] क9 संगत क9 यिखट से जो मायय हो, के अनुढप -वजव-व=यालय क9 चल एवं अचल संपिस्त या उसके अकसी षहकसे को बेचने, -वनमय, प्ा या अयय तरुके से रा4य सरकार क9 पूवानुमत से @बंधत करना ।
- (21) सरकारु वचन प एवं अयय वचन प, -वनयम -वप, धनादेश (चेक) तथा अयय -वनमेय उपकरण] को वापस लेना और कवीकारना, बनाना और अनुमोदन करना, छूट @ाएत करना और समझौता वाता करना ।
- (22) -वजव-व=यालय क9 नध से -वजव-व=यालय] के सभी खच को पूरा करने हेतु अधन मायय नयम] एवं शस्त के अनुढप या ाबना @तभूत के -वजव-व=यालय क9 पहरसंपिस्त] के -वbw बोड, @बंधन, वचन प पर धन एक करना या उधार लेना और)लये गये धन को रा4य सरकार क9 पूवानुमत से वापस करना ।
- (23) -वजव-व=यालय के षहत क9 यिखट से समय-समय पर मायय तरुक] के अनुढप -वजव-व=यालय के कोष का ऐसी @तभूतय] मW नवेश और अकसी नवेश को प्ांतरहरत करना ।
- (24) रा4य सरकार क9 पूवानुमत @ाएत कर -वजव-व=यालय क9 चल अथवा अचल संपिस्त के)लए हकतांतरण प] से संबव अंतरण, बंधक प], प्ा अनुसार अनुबंध और संपिस्त के संदभ मW अयय हकतांतरण, सरकारु @तभूतय] समेत, कोकायािवत करना ।
- (25) -वजव-व=यालय =वारा @कता-वत पाकयकम] मW नधाहरत तरुके से -व=याधय] का नामांकन।
- (26) अकाद)मक, तकनीक9, @शासनक,)ल-पकवगाय एवं अयय पद] पर नयुित करना ।
- (27) -वजव-व=यालय के कमचाहरय] के बीच अनुशासन का नयमन एवं लागू करना तथा नधाहरत तरुके से अनुशासनक कायवाहण करना ।

(28) @ाVयापक9, सह-@ाVयापक9, सहायक @Vयापक9, सपYन @Vयापक9, मानद @Vयापक9, अनुबw @Vयापक9, एमेHरटस @ाVया-पक9, एवं अYय कोई)शDण, अकाद)मक अथवा शोध- पद] के)लए योयता का नधारण और इनक9 Kथापना के)लए रा4य सरकार को अनुरोध करना ।

(29) -वJव-व=यालय के नदेशक], अनुसंधान और -वकास नदेशक, @ाVयापक], सह-@ाVयापक], सहायक @ाVयापक], अनुबw @ाVयापक], कुलस&चव अथवा अYय @कार के)शDक] और अYवेषक] क9 नयुिOत ।

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 9

(30) इस अ&धनयम के @ावधान] एवं -वनयम] के अनुसार -वJव-व=यालय का कोई अ&धकारU अथवा @ाI&धकार, आदेश =वारा अपने अ&धकार (-वनयम] के नमाण को छोड़कर), अपने नयंण के Aकसी अYय अ&धकारU या @ाI&धकार को सप सकता है, बशत Aक अYततोगSवा शिOतय] के @योग का दायSव उस अ&धकारU को अथवा @ाI&धकार को होगा, िजसके =वारा अ&धकार सप गया है ।

(31) Aकसी उsेJय क9 @ािEt या पहरवधन मW सहायक या आनुषंगक मामल] या सारे मामले पर, िजYहW -वJव-व=यालय आवJयक समझे, पर कायवाहU करना ।

8. कुलाधप*त:

(1) झारखPड के रा4यपाल अपने कायालय के पदेन अ&धकार से -वJव-व=यालय के कुला&धपत हJगे। ये -वJव-व=यालय के @धान और शासी पहरष= के अVयD हJगे और जब मौजूद रहWगे तो शासी पहरष= के बैठक] तथा -वJव-व=यालय के Aकसी भी दUDांत समारोह क9 अVयDता करWगे।

(2) कुला&धपत को यह अ&धकार होगा Aक वे -वJव-व=यालय =वारा संपो-षत Aकसी संKथान या केYd के भवन], छाावास], पुKतकालय], उपकरण] तथा -वJव-व=यालय =वारा संचा)लत परUDाँ,)शDण, शोध एवं Aकये जानेवाले अYय काय] तथा -वJव-व=यालय के @शासनक, अकाद)मक एवं -वSत से संबं&धत Aकसी मामले क9 जाँच के)लए और इनके नरUDण या पुनरUDण के उsेJय से Aकसी ^यिOत या ^यिOतय] को नद)शत कर सकW गे ।

बशत Aक कुला&धपत @Sयेक मामले मW कुलपत को नरUDण अथवा जाँच के अ)भ@ाय क9 सूचना दWगे अथवा नरUDण या जाँच कराने के म मW -वJव-व=यालय उसमW @तन&धSव का अ&धकारU होगा ।

(3) कुला&धपत ऐसे नरUDण और जाँच के नतीज] को कुलपत को @े-षत कर सकते हP और कुलपत उनके मंत^य से शासी पहरष= और अकाद)मक पहरष= को अवगत करायWगे ।

(4) कुला&धपत -वJव-व=यालय क9 कायवाहU या आदेश को अ&धनयम, पहरनयम], अVयादेश] अथवा -वनयम] के अनुbप नहUं होने अथवा यथेXट कारण के अभाव मW)ल0खत आदेश =वारा rs कर सकते हP ।

बशत Aक ऐसा आदेश या नद)श देने के पूव इसके -वषय मW -वJव-व=यालय को न5दXट समय मW यह कारण बताने को कहा जाएगा Aक Oय] ऐसा आदेश या नद)श नहUं 5दया जाय। य5द नधाHरत समय सीमा के भीतर कोई कारण बताया जाता है तो वे उस पर -वचार करWगे ।

(5) कोई मानद उपा&ध @दान करने का @Sयेक @Kताव कुला&धपत क9 संपुिXट के अधीन होगा ।

10

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016

(6) (i) ी -वJव-व=यालय के AकYहUं @शासनक अथवा अकाद)मक 5हत] के संदभ मW आवJयक समझे जाने पर कुला&धपत के पास -वJव-व=यालय को नद)श जारU करने

क9 शि0त होगी । कुला&धपत =वारा जारU नद'श का कायाYवयन -वजव-व=यालय के कुलपत, शासी पहरष= एवं अYय नकाय] =वारा Aकया जाएगा ।

(ii) कुला&धपत के ऐसे आदेश से कोई ^यि0त य5द 0खYन हो तो वह कुला&धपत के समD आवेदन पेश कर सकता है, वे आवेदन पर -वचार करWगे और उYहW यह शि0त होगी Aक वे अपने पूव के आदेश या आदेश] क9 पुिXट करW, उनमW Aकं&चत पहरवतन करW या नरKत करW जैसा वे उपयु0त और उ&चत समझW ।

9. कुलप*त:

(1)(i) कुलपत के bप मW ऐसे ^यि0त जो Dमता, ईमानदारU, नैतकता एवं सांिKथक नXठा के उ_चतम Kतर को @ाEत Aकए हुए हो, क9 नयुि0त होगी । कुलपत के bप मW िजनक9 नयुि0त होनी है, को Aकसी रा4य/केYdUय पुलस संगठन/सेना/ अW सैनक बल मW सेवा 5दया हुआ होना चा5हए या वे रा4य या केYdUय @शासनक सेवा, पुलस बल या सैYय या अध सैनक बल मW शोध या शैD0णक @शासनक संगठन मW @मा0णत क9तमान के साथ @)शDण से जुड़े रहे ह] ।

(ii) कुलपत का चयन एक खोज स)मत के =वारा लोक सूचना या नामकरण या @तभा खोज @Aया के =वारा होगी । @तभा खोज स)मत के सदKय पुलस/सैYय @तXठान)शDा के Dे\ मW यात @ाEत ^यि0त होना चा5हए और उनका -वजव-व=यालय के साथ Aकसी तरह का संबंध नहUं होना चा5हए । सूची तैयार करने के समय, खोज स)मत को शैCDक उSकृXटता, देश या -वदेश मW @)शDण तं का अनुभव तथा @शासनक अ)भशासन मW पयाEत अनुभव को @मुखता देनी चा5हए । इसे)ल0खत bप मW कुला&धपत के समD पेश करते समय तीन से पाँच नाम वाले सूची के साथ 5दया जाना अपेCDत होगा ।

(iii) खोज स)मत का गठन रा4य सरकार के =वारा नन @कार से Aकया जायेगा-

(a) सरकार =वारा ना)मत एक यात @ाEत ^यि0त, िजसे शैD0णक या @शासनक Dे\ मW उSकृXटता हा)सल हो और वहU स)मत का अवयD होगा ।

(b) नदेशक या राX}Uय यात के संगठन या संKथा का @मुख, जैसे - राX}Uय रDा महा-व=यालय, भारतीय सैYय अकादमी, पुलस @)शDण संKथान -व&ध -वजव-व=यालय का कुलपत, जो सरकार के =वारा ना)मत सदKय होगा ।

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 11

(c) कुला&धपत के =वारा ना)मत एक सदKय, िजसे अपने रा4य क9 उ_च)शDा का hान हो तथा िजसने @)शDण/शDण के Dे\ मW -व)शXटता हा)सल क9 हो ।

(2) -वजव-व=यालय के कुलपत रा4य सरकार के परामश से कुला&धपत =वारा नयु0त ह]गे ।

(3) कुलपत का कायकाल तीन वष] का होगा, बशत□ तीन वष क9 अव&ध पूरU होने के प]चात् तीन वष के एक और कायकाल के)लए वे पुननयुि0त के पा ह]गे । शत यह रहेगी Aक कुलपत के bप मW नयु0त ^यि0त 70 वष क9 आयु पूरU करने के बाद अपने पद से कायकाल के दौरान या -वKताHरत कायकाल से सेवानवृSत हो जायWगे ।

(4) (क) कुलपत पूणका)लक पदा&धकारU ह]गे तथा कुला&धपत क9 इ_छा पर पद [हण Aकए रहWगे । बशत' Aक रा4य सरकार क9 अनुशंसा पर कुलपत को काय से मु0त Aकया जा सकेगा ।

(ख) इस भाग के पूववतT @ावधान] के अYतगत कुलपत सामायय तौर पर तीन वष] के)लए नयु0त ह]गे तथा इस समय क9 समाEत के बाद उYहW कुला&धपत =वारा रा4य

सरकार के परामश से पुनः न्युओत अकया जा सकता है और वे कुला&धपत क१ इ_छा से तीन वष| क१ अव&ध से 4यादा काय नहUं कर सकWगे ।

- (5) कुलपत -वजव-व=यालय के मुय कायकारU तथा अकाद)मक पहरष= तथा स)मत के अVयD हJगे तथा -वजव-व=यालय के अकसी @ा&धकार या दूसरे नकाय क१ बैठक मW बोलने एवं उपिKथत रहने के)लए अ&धकृत हJगे तथा कुला&धपत क१ अनुपिKथत मW शासी पहरष= क१ बैठक या -वजव-व=यालय के दUDांत समारोह क१ अVयDता करWगे ।
- (6) कुलपत -वजव-व=यालय मW नद'श देने तथा अनुशासन के पालन के)लए िजमेवार हJगे ।
- (7) कुलपत -वजव-व=यालय के @ा&धकार] के नणय] के आयायवन को सुनिJचत करWगे ।
- (8) इस अ&धनयम के @ावधान] के अYतगत, कुलपत को Kवीकृत xे0णय] और वेतनमान मW तृतीय xेणी के नय)मत कमचाहरय] का चयन कमचारU चयन आयोग क१ अनुशंसा पर एवं चतुथ xेणी के कमचाहरय] को Kवीकृत Dमता के अनुसार -व)भYन पद] पर न्युओत करने का अ&धकार होगा तथा वे ऐसे कमचाहरय] पर पूण अनुशासनाSमक शिOतय] का @योग करWगे ।
- (9) शैCDक संवग मW -वजव-व=यालय अनुदान आयोग के =वारा नधाहरत अहता युOत ^यिOत @ाVयापक, सह-@ाVयापक, सहायक @ाVयापक के पद पर झारखPड लोक सेवा आयोग क१ अनुशंसा पर न्युओत अकये जायWगे । अकYतु कुलपत के =वारा @तनयुिOत पर या सं-वदा पर मा\ एक बार 11 माह के)लए न्युिOत क१ जा सकेगी ।

12

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016

- (10) ी कुलपत क१ दूसरU सेवा शत□ ऐसी हJगी जो रा4य सरकार के =वारा नधाहरत क१ जायWगी ।
- (11) कुलपत कुला&धपत को हKत)ल0खत प के माVयम से अपने पद से इKतीफा दे सकते हp तथा यह इKतीफा कुला&धपत के =वारा Kवीकार करने क१ त&थ से @भावी होगा ।
- (12) जब कोई मुsा अSयावयक @कृत का हो िजसमW तुरंत कारवाई क१ जbरत हो और यह, 5दए गए अ&धनयम के अंतगत -वजव-व=यालय के अ&धकृत @ा&धकार या नकाय के =वारा तुरंत हल नहUं अकया जा सकता तो कुलपत कारवाई कर सकते हp, जो उYहW उ&चत लगे तथा इसक१ सूचना उस @ा&धकार या नकाय को दWगे जो सामायय िKथत मW ऐसे मुsे को देखता है । बशत' अक ऐसा @ा&धकार या नकाय अगर यह समझता है अक कुलपत =वारा ऐसी कारवाई उ&चत नहUं है, तो वह इस बात को पहरष= को सू&चत कर सकता है जो या तो कुलपत क१ कारवाई को उ&चत बताता है या इसे रs या संशो&धत करता है जैसा यह सहU समझता है और यह पहरष= के फैसले पर हU कारवाई होती है परYतु यह फैसला कुलपत के पूव के आदेश के @त पूवा[ह के िबना होगा ।
- (13) कुलपत ऐसी सभी दूसरU शिOतय] का @योग एवं काय] का नXपादन करWगे जो अ&धनयम के तहत उYहW 5दया गया है या पहरष= या सरकार के =वारा स□पा गया है ।

10. *तकुलप*त:

- (1) कुला&धपत @तकुलपत क१ न्युिOत रा4य सरकार के परामश से उसी तरह से करWगे जैसे कुलपत क१ न्युिOत होती है ।
- (2) @तकुलपत के bप मW ऐसे ^यिOत क१ न्युिOत होगी जो Dमता, ईमानदारU, नैतकता एवं सांिKथक नXठा के उ_चतम Kतर को @ाIत अकए हो एवं सरकार मW सेवारत वरUय पुलस पदा&धकारU के bप मW पुलस महानरUDक के पद से नीचे का न हो ।
- (3) @तकुलपत -वजव-व=यालय का पूणका)लक पदा&धकारU होगा । वह कुला&धपत के =वारा रा4य सरकार से सलाह के बाद नधाहरत शत| पर काय करेगा । वह कुला&धपत क१ इ_छा से तीन वष| के)लए काय करेगा बशत' रा4य सरकार के परामश से उYहW काय से मुOत अकया जा सकेगा ।
- (4) @तकुलपत के नन)ल0खत काय एवं शिOतयौं हJगी ।

- i. -वजव-व=यालय का @धान समYवयक पदा&धकारU हJगे, जो ऐसी शिOतयJ का @योग तथा कायJ का सपादन करWगे जो उYहW कुलपत =वारा सामायय या - वशेष आदेश के =वारा ढदया जाता है ।

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 13

- ii. कुलपत क9 अनुपिKथत या उनके अपने दायSवJ के नवहन मW असमथता क9 िKथत मW कुलपत के कायJ का नXपादन करWगे ।
- iii. कुलपत क9 अनुपिKथत मW शासी पहरष=, अकाद)मक पहरषद, -वSत स)मत तथा ऐसे दूसरे @ा&धकारJ क9 बैठकJ क9 अवYदता करWगे ।

11. वCत परामशD:

- (1) -वSत परामशT एक पूणका)लक पदा&धकारU होगा । वह कुला&धपत के =वारा भारतीय अंकेDण एवं लेखा सेवा के अ&धकाहरयJ मW से या भारत सरकार या झारखण्ड सरकार के लेखा सेवा के अ&धकाहरयJ मW से @तनयुिOत या पुनः नयुिOत के आधार पर नयुOत होगा ।
- (2) -वSत परामशT क9 सेवा शत□ कुला&धपत के =वारा रा4य सरकार से -वचारोपरांत नधाहरत क9 जायWगी तथा सामायय तौर पर वे तीन वषJ के)लए पद धारण करWगे ।
- (3) -वSत परामशT कुलपत के @शासनक नयण मW काय करWगे ।
- (4) -वSतीय महSव के सभी @KतावJ पर -वSत परामशT का सलाह अत आवश्यक होगा ।
- (5) -वजव-व=यालय का बजट तैयार करना, लेखाओं क9 देख-रेख, समय-समय पर लेखाओं का अंकेDण करना, अंकेDण आपिसतयJ का अनुपालन करना, Kवीकृत बजट के आधार पर रा4य सरकार या दूसरे □ोतJ से अनुदान क9 समय पर @ािEt, इYहW सहU तरह से रखने क9 ^यवKथा करना और @ािEt अनुदानJ का समय-समय पर उपयो&गता @माण-प\ जमा करना -वSत परामशT क9 िजमेवारU होगी ।
- (6) -वSत परामशT क9 यह िजमेवारU होगी Ak -वजव-व=यालय के सभी -वSतीय मामले कानून तथा नयम के अनुसार नपटाए जाँँ ।

12. *नदेशक, शोध एवं वकास:

- (1) नदेशक, शोध एवं -वकास क9 नयुिOत कुलपत =वारा पहरष= क9 Kवीकृत के आधार पर क9 जाएगी ।
- (2) वह @यात शोधथT होगा िजसके राX}Uय एवं अंतराX}Uय यात @ािEt पा\काओं मW - व)शXट KतरUय शोध प\ @का)शत रहे हJगे ।
- (3) नदेशक, शोध एवं -वकास, क9 सेवा शत□ तथा यो□यता वैसे हU होगW जो नयम मW -वSहत हJ ।
- (4) वे कुलपत को संKथान के अकाद)मक, @शासनक एवं दूसरे मुsJ से संबं&धत शोध एवं -वकास के @बंधन मW सहायता करWगे ।

13. कुलसचव:

- (1) कुलसचव क१ नयुि०त -व१व-व=यालय =वारा -व१हत सेवा शत के आधार पर क१ जाएगी ।
- कुलसचव -व१व-व=यालय अनुदान आयोग =वारा नधाहरत योयता को धारण करवगे ।
- (2) कुलसचव के नन)ल०खत काय एवं शि०तयाँ ह१गी:
- i. वह -व१व-व=यालय के अ)भलेख] क१ नगरानी, सामायय @माणन, कोष तथा ऐसी दूसरु सपि०तय के)लए िजमेवार ह१गे ।
- ii. वह -व१व-व=यालय के पहरष= तथा दूसरे @ाधकार के सम० वैसी सूचनाओं एवं द०तावेज के @कतुत करेगा जो इसके काय सपादन के)लए आव०यक ह१गे ।
- iii. -व१व-व=यालय =वारा या -व१व-व=यालय के -व०व सभी मुकदम] एवं अ०य कानूनी @आयाओं म० अ)भवचन के कुलसचव ह०ता०हरत और स०या-पत करवगे तथा ऐसे सभी वाद] एवं कानूनी @आयाओं क१ कायवाह० कुलसचव =वारा ह० जार० व -वत०हरत क१ जायेगी ।
- iv. वह अपने काय के सयक् नवहन के)लए कुलपत के @त िजमेवार ह१गे ।

अ०याय 3**व)ववयालय के ाधकार एवं अधकार****14. -व१व-व=यालय के @ाधकार:**

-व१व-व=यालय के नन)ल०खत @ाधकार ह१गे-

- i. शासी पहरष=;
- ii. अकाद)मक पहरष=;
- iii. -व०त स)मत ;
- iv. वैसे दूसरे @ाधकार जो अ०धनयम के =वारा -व१व-व=यालय के @ाधकार घो-षत अकए जाते ह० ।

15. व)ववयालय के अधकार:

झारख०डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 15

-व१व-व=यालय म० नन)ल०खत अ०धकार ह१गे-

- i. कुलाधपत;
- ii. कुलपत;
- iii. @त कुलपत;
- iv. -व०त परामश०;
- v. नदेशक, शोध एवं -वकास;
- vi. नदेशक;
- vii. संकाया०य०;
- viii. कुलसचव;

ix. -वजव-व=यालय क१ सेवा मW वैसे अYय ँयिOत िजYहW -वनयम =वारा Kथा-पत -वजव-व=यालय

के अ&धकारU के bप मW घो-षत Aकया जा सकता है ।

16. शासी प१रष:-

-वजव-व=यालय के शासी प१रष= मW नन)ल0खत सदKय हJगे-

- i. कुला&धपत, जो प१रष= के अVयD हJगे;
- ii. कुलपत जो प१रष= के उपाVयD हJगे;
- iii. @तकुलपत;
- iv. -वSत परामशT ;
- v. नदेशक, शोध एवं -वकास;
- vi. -वजव-व=यालय का एक नदेशक िजसे मानुसार कुलपत के =वारा ना)मत Aकया गया हो;
- vii. सैYय बल के 23वीं Zडवीजन के जेनरल-ऑAफसर-कमांडंग (पदेन);

16

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016

viii.ीएक पुलस पदा&धकारU जो अतHROत पुलस महानदेशक के रpक से नीचे का न हो, सरकार के =वारा ना)मत होगा, जो पदेन सदKय होगा;

- ix. @धान स&चव, उ_च एवं तकनीक१)शDा या उनके @तन&ध जो -वभागीय नदेशक के पद से नीचे का न हो;
- x. @धान स&चव, गृह -वभाग या उनके =वारा ना)मत ँयिOत जो -वशेष स&चव के रpक से कम का नहUं हो;
- xi. रा4य सरकार के =वारा ना)मत झारखPड मW िKथत Aकसी -वजव-व=यालय के एक कुलपत;
- xii. रा4य के =वारा ना)मत वैसे पाँच ँयिOत जो सुरDा,)शDा या लोक सेवा के Dे\ से जुड़े हुए हJ या -व)शXटता हा)सल Aकए हुए हJ;
- xiii. रा4य सरकार झारखंड -वधान सभा के चार -वधायक] को ना)मत करेगी ।
- xiv. कुलस&चव प१रष= के स&चव हJगे ।

17. प१रष के काय> एवं शि(तयाँ:

1. इस अ&धनयम के @ावधान] के तहत प१रष= सामायय देख-रेख, नदंश तथा -वजव-व=यालय के काय] के नयंण के)लए िजमेवार होगा तथा -वजव-व=यालय क१ सभी शिOतय] का @योग करेगा और -वजव-व=यालय के @ा&धकार] या अYय स)मतय], अकाद)मक प१रष= तथा -वSतीय स)मतय] के काय] क१ समीDा करने क१ शिOत रखेगा ।

2.

उपधारा (1) के @वधान] के @त पूवा[ह के Iबना प१रष= के पास नन)ल0खत काय एवं शिOत हJगे -

- i. -वजव-व=यालय के काय और @शासन से संबं&धत नीत के @Jन] पर नणय लेना;
- ii. -वजव-व=यालय के पाKयम क१ ँयवKथा करना ;
- iii. नयम बनाना;
- iv. @Sयेक -वSत वष के)लए -वजव-व=यालय का वा-षक @तवेदन तथा बजट को मंजूर करना तथा इस पर -वचार करना;
- v. -वजव-व=यालय के कोष/ पूँजी तथा धन का नवेश करना और -वSतीय स)मत क१ अनुशंसाओं पर नणय लेना ;

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 17

- vi. अVययन सामाी, -ववेचनाSमक लेख], पुKतक], पा[काओं, @तवेदन] तथा समय-समय पर

दूसरे सा5हSय] के @काशन के)लए -वSतीय ँयवKथा करना तथा उ&चत समझने पर

- उनक१ [ब१ क१ ^यवKथा करना या बेचना;
- vii. -वJव-व=यालय के क)मय], अ&धकाHरय] एवं)शDक] के पद का सृजन या -वलोपन के)लए अनुशंसा करना;
- viii. इस अ&धनयम के अYतगत अपने काय] को पूरा करने या शिOतय] के @योग के)लए य5द आवJयक हो तो स)मतय] का गठन करना;
- ix. -वJव-व=यालय के नदेशक] क१ नयुिOत करना ;
- x. अपनी शिOतय] को -वJव-व=यालय के कुलपत, @तकुलपत, नदेशक, संकायाVयD कुलस&चव या Aकसी अYय अ&धकारU या कमचारU या @ा&धकार या अपने =वारा नयुOत स)मत को स□पना;
- xi. वैसी शिOतय] का @योग करना तथा काय] को करना जो अ&धनयम या कानून के अंतगत इसे करने के)लए नद)शत Aकया गया है और -वJव-व=यालय के उदेJय] क१ @ािEत के)लए आवJयक हो ।

18. प6रष के सद/यF क१ 6रि(त एवं काय>काल क१ शतG:

- (1) इस भाग मW @दSt अYयथाओं को छोड़कर पहरष= के Aकसी ना)मत (मनोनीत) सदKय का सेवा काल उनक१ नयुिOत क१ त&थ से तीन वष का होगा;
- (2) एक पदेन सदKय तब तक सदKय बना रहेगा जब तक वह अपने कार्यालय के पद पर बना रहता है, िजसक१ वजह से वह पहरष= का सदKय है;
- (3) पहरष= के Aकसी सदKय, पदेन सदKय को छोड़कर, क१ हरिOत, -व5हत अव&ध क१ समािEत के पहले होने पर उसे धारा 16 मW 5दए गए @ावधान] के अनुसार हU भरा जाएगा एवं ऐसा सदKय तब तक काय करेगा िजतना समय उस सदKय का शेष रहा था िजसक१ जगह पर इसे ना)मत Aकया गया हो;
- (4) सदKय दूसरे सेवा काल के)लए पुनः ना)मत होने के यो□य हJगे;
- (5) कोई सदKय अVयD को)ल0खत प\ के माVयम से अपने कार्यालय से Sयाग प\ दे सकता है तथा उसका Sयाग प\ अVयD के =वारा Kवीकृत क१ त&थ से @भावी होगा ।

18

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

19. अकादमक प6रष:- ी

- (1) -वJव-व=यालय के अकाद)मक पहरषद के नन)ल0खत सदKय हJगे-
- i. कुलपत, जो अकाद)मक पहरषद के अVयD हJगे;
- ii. @त कुलपत ;
- iii. रा4य सरकार के =वारा मनोनीत दो)शDा-व= या पेशेवर;
- iv. रा4य सरकार के =वारा मनोनीत दो)शDा-व= या पेशेवर जो सैनक, अwसैनक बल या पुलस के @)शDण या सेवा से जुड़े हJ;
- v. नदेशक, अनुसंधान एवं -वकास;

- vi. नदेशक;
- vii. -वजव-व=यालय के @सयेक -वषय के एक @ोफेसर चानुम के आधार पर जो कुलपत के =वारा ना)मत ह)गे ।

(2) कुल स&चव अकाद)मक पहरष= के स&चव ह)गे ।

(3) उपधारा- (1) के खपड (iii) तथा (iv) के अYतगत सदKय] का कायकाल तीन वष होगा ।

20. अकादमक प6रण के काय> एवं शि(तयाँ:-

इस अ&धनयम और कानून के @ावधान] के अYतगत -वजव-व=यालय का अकाद)मक पहरष=

नन)ल0खत काय] एवं शि0तय] का @योग करेगा-

i. -वजव-व=यालय क9 शैCDक नीतय] पर नयंण रखना तथा -वजव-व=यालय मW नद'शन,)शDा

एवं मू-यांकन के Kतर को बरकरार रखना एवं -वकास के)लए िजमेवार होना;

ii. सामायय अकाद)मक 5हत के)लए अपनी ओर से या -वजव-व=यालय या बोड के संकाय सदKय]

क9 ओर से उठाए गए मुsे पर -वचार करना तथा उस पर उ&चत कारवाई करना;

iii. शासी पहरष= को ऐसे कानून] के)लए अनुशंसा करना जो -वजव-व=यालय के अकाद)मक काय]

एवं छा] मW अनुशासन से जुड़ा हो तथा इस अ&धनयम के अनुकूल हो;

iv. कानून] के =वारा 5दए गए सारे काय] को करना एवं शि0तय] का @योग करना ।

झारखपडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 19

21. वCत सम*त:-

(1) -वSt स)मत मW नन)ल0खत सदKय ह)गे-

i. कुलपत जो स)मत के अVयD ह)गे;

ii. @त कुलपत;

iii. -वSt परामशT;

iv. नदेशक, अनुसंधान एवं -वकास;

v. शासी पहरष= के दो सदKय (इनमW एक सरकार का ना)मत ^यि0त तथा दूसरा बोड के =वारा ना)मत होगा);

vi. नदेशक;

vii. एक @ाचाय, चानुम के आधार पर बोड के =वारा ना)मत होगा ।

(2) कुलस&चव स)मत के स&चव ह)गे ।

(3) ना)मत सदKय] का कायकाल खपड (v) एवं (vi) के अYतगत तीन वष होगा ।

22. वCत सम*त के काय> एवं शि(तयाँ:-

इस अ&धनयम के @ावधान] के अYतगत, -वSt स)मत नन)ल0खत काय एवं शि0तय] का @योग करेगी-

i. -वजव-व=यालय का वा-षक लेखा तथा बजट के आकलन क9 जाँच करना तथा शासी पहरष= को इस पर परामश देना;

- ii. -वाव-व=यालय क१ -वसतीय िकथत क१ समय-समय पर समीDा करना;
- iii. -वाव-व=यालय क१ -वसतीय नीत के मुsे पर पहरष= को अनुशंसा करना;
- iv. पहरष= को उन सभी @Kताव] पर अनुशंसा करना जो कोष @ािEt या खच से संबं॑धत ह];
- v. अ॑धशेष पूँजी के नवेश के)लए 5दशा-नद'श देना;
- vi. पहरष= को उन सभी @Kताव] पर अनुशंसा करना जो ऐसे खच से जुड़े ह] िजनका @ावधान बजट मW नहUं था या बजट मW @ावधानत रकम से 4यादा खच करने क१ आव॑यकता हो ;

20

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016

vii.ी वैसे @Kताव] क१ जाँच करना जो वेतनमान के पुनरUDण, उYनयन या वैसे मुsे जो बजट मW इसे पहरष= के समD रखने से पहले सिम)लत न ह] ;

viii. -व॑ध =वारा लाए गए या 5दए गए सभी काय] को पूरा करना तथा शिOतय] का @योग करना।

23. *नदेशक:-

- (1) संKथान] के नदेशक] क१ नयुिOत कुलपत के =वारा पहरष= के अनुमोदन के साथ उन सेवा शत] पर Aकया जायगा जो नधाHरत Aकए गए ह] ।
- (2) नदेशक संKथान] के शैCDक, @शासनक एवं दूसरे काय] को करने मW कुलपत क१ सहायता करWगे तथा कुलपत =वारा नधाHरत Aकए गए काय] को पूरा करWगे एवं शिOतय] का @योग करWगे ।

24. संकाया0य॑:-

- (1) संकायाVयD क१ नयुिOत कुलपत के =वारा -वाव-व=यालय के)शDक] मW से क१ जायेगी ।
- (2) संकायाVयD कुलपत एवं संKथान] या केYd] के नदेशक] को -वाव-व=यालय के शैCDक एवं अYय मुs] को सुचाb bप से चलाने मW सहायता करWगे तथा ऐसे सभी काय] का नXपादन एवं शिOतय] का @योग करWगे जो कुलपत या नदेशक के =वारा @दस्त ह] ।

अ0याय- IV

वCत25. राHय सरकार के व

रा4य सरकार -वाव-व=यालय को समय-समय पर इस @कार रा)श @दान करेगी जो अ॑धनयम के तहत् -वाव-व=यालय के =वारा Aकए गए काय एवं शिOत के @योग के)लए आव॑यक हो ।

26. व)ववयालय का कोष:

- (1) -वाव-व=यालय एक कोष क१ Kथापना करेगा िजसे -वाव-व=यालय कोष कहा जाएगा िजसके घटक ह]गे-
 - i. रा4य एवं केYt सरकार =वारा @दस्त ऋण, अनुदान या अंशदान,
 - ii. -वाव-व=यालय को सभी िोत] से @ाEt आय िजसमW शु॒क या वसूलU सिम)लत ह],
 - iii. -वाव-व=यालय =वारा @ाEt अनुदान, ऋण, उपहार, दान, वसीयत, धमदान एवं सभी @ाEtियाँ जो कुछ भी ह],

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 21

- iv. औ=यो॑गक @तXठान] तथा -वाव-व=यालय के बीच सहमत प॑ के अYतगत उ=योग जगत क१ सहभा॑गता से -वाव-व=यालय को @ाEt धन जो -वाव-व=यालय संरचनाSमक संसाधन], @ायोिजित पीठ] एवं फैलो)शप को Kथा-पत करने के)लए हो;
- v. -वाव-व=यालय को Aकसी भी दूसरे िोत या तरUके से @ाEt धन;

- vi. -वजव-व=यालय क१ सभी रा)श ऐसे बपक मW जमा ह१गी या नवे)शत क१ जाँगी जैसा बोड -वसत स)मत क१ अनुसंशा पर नणय करेगा;
- vii. -वजव-व=यालय का कोष -वजव-व=यालय के खच के)लए @यु०त होगा िजसमW अ&धनयम के अYतगत इसे @दसत शि०तय] के @योग एवं काय] के नवहन पर Aकए गए खच सिम)लत ह१गे ।

27. लेखा एवं अंके&ण:-

- (1) -वजव-व=यालय उपयु०त लेखा एवं दूसरे उपयोगी दKतावेज] का रख- रखाव करेगा तथा लेखा का वा-षक @तवेदन तैयार करेगा, िजसमW आय-^यय लेखा और तूलन प\ सिम)लत होगा एवं इसे -व5हत तरUके से Aकया जायगा ।
- (2) -वजव-व=यालय कानून के =वारा न5दXट अपने -वसतीय, लेखा तथा अंकेDण काय] को करने एवं इस पर नयंण रखने एवं आंतHRक जाँच के)लए एक उपयु०त तं को अपनाएगा ।
- (3) -वजव-व=यालय के खाते का अंकेDण @तवष एक अंकेDक के =वारा Aकया जायेगा जो 1949 के अ&धकार प\ @ाEत लेखापाल अ&धनयम के =वारा पHRभा-षत अ&धकार प\ @ाEत ह१गे, िजसक१ नयुि०त पHRष= के =वारा क१ जायगी ।
- (4) -वजव-व=यालय के खाते अंकेDण @तवेदन के साथ इसी उऽेय के)लए नयु०त ^यि०त या @तXठान जो अ&धकृत हो, से सSयापन के बाद पHRष= के समD पेश Aकया जायगा और पHRष= -वजव-व=यालय को ऐसा नदंश जारU कर सकता है जो वह उ&चत समझता है तथा -वजव-व=यालय ऐसे नदंश] का अनुपालन करेगा ।
- (5) -वजव-व=यालय के लेखा का अंकेDण एक आंतHRक अंकेDक के =वारा Aकया जायगा जो एक अ&धकार प\ @ाEत लेखापाल या अ&धकार @ाEत लेखापाल] का @तXठान होगा जो पHRष= के =वारा नयु०त ह१गे एवं उनका दायSव लेखा पुिKतका का समयानुसार अंकेDण सुनिजचत करना होगा तथा ऐसे साव&धक आंतHRक अंकेDण @तवेदन बोड के समD समीDा के)लए रखा जाएगा ।

22

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016

- (6) ी -वजव-व=यालय @Sयेक वष एक वा-षक @तवेदन तैयार करेगा िजसमW -पछले वष मW पHRष= =वारा इसे न5दXट सभी काय] का -ववरण होगा और -वजव-व=यालय इसे पHRष= के समD वा-षक @तवेदन के bप मW समीDा या अनुमोदन के)लए दU गई तारUख को @Kतुत करेगा ।
- (7) वा-षक @तवेदन तथा वा-षक अंकेDण @तवेदन पHRष= के संकप के साथ रा4य सरकार के पास @Kतुत Aकया जाएगा तथा इसे रा4य -वधान मPडल के समD यथाशीं रखा जाएगा ।

28. पाशन, बीमा एवं भवजय *नध:-

- (1) -वजव-व=यालय पHRष= क१ Kवीकृत से अ&धकाHRय],)शDक] तथा अYय कमचाHRय] के)लए -व5हत शत] के अYतगत पWशन योजना, भ-वXय न&ध तथा बीमा क१ उ&चत ^यवKथा करेगा तथा -वजव-व=यालय के)शDक], कमचाHRय] एवं अ&धकाHRय] के लाभ के उऽेय से संKथाओं, कोष] तथा संघ] क१ सहायता करेगा तथा उYहW Kथा-पत करने मW मदद भी करेगा ।
- (2) जब ऐसी भ-वXय न&ध का गठन हो जाता है तो उस पर सरकारU भ-वXयन&ध कोष के अनुbप भ-वXय न&ध कानून 1925 के @ावधान लागू ह१गे ।

अ०याय 6

अनुपूरक ावधान

29. 6रि(तयF के वारा अध*नयम और काय>वाहE का अमाKय नहEं होना:-

शासी पहरष=, -वजव-व=यालय का कोई @ाधकार या कोई स)मत जो -वनयम के =वारा या अ&धनयम के अYतगत ग5ठत हो, का काय या कायवाहU Aकसी हरिOत क9 वजह से या -वजव-व=यालय क9 स)मत, @ाधकार या ऐसे बोड के गठन मW खामी रहने क9 िकथत मW भी अमाYय नहUं हो सकती ।

30. व)ववयालय वारा Lडमी, Lड2लोमा या माण पNF का दCतीकरण:-

-वजव-व=यालय को शासी पहरष= क9 Kवीकृत पर Zड[ी, Zडेलोमा देने तथा @माण प] को नगत करने तथा मानद उपा&ध और दूसरU शैCDक उEलिधय] या 0खताब] को @दान करने क9 शिOत होगी ।

31. *तवेदन एवं सूचना:-

-वजव-व=यालय रा4य सरकार, -वजव-व=यालय अनुदान आयोग. और अYय वैधानक @&धकार] को @तवेदन, कथन या सूचना जैसा Aक समय- समय पर जरू हो, को @दान करेगा ।

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवंबर,2016 23

32. अधका6रयF और कम>चारE लोक सेवक हFगे:-

भारतीय दपड सं5हता क9 धारा-21 के अYतगत -वजव-व=यालय का @Sयेक अ&धकारU,)शDक एवं

कमचारU एक लोक सेवक समझा जाएगा ।

KपXटUकरण - इस भाग के उsेय के)लए कोई ^यिOत जो -वजव-व=यालय =वारा कुछ खास समय या काय के)लए नयुOत होगा या -वजव-व=यालय के कोष से मानदेय या भस्ता @ाEत करेगा, को -वजव-व=यालय का कमचारU या अ&धकारU समझा जाएगा जब तक वह अपनी नयुिOत से संबं&धत काय करेगा ।

33. व)ववयालय मा काय>रत Oयि(तयF क9 सेवा क9 समाि2त, पदप्यु*तकरण, अवन*त या बरखा/तगी:-

- (1) -वजव-व=यालय का कोई कमचारU, अ&धकारU या कमाT को उसके पद से हटाया या बरखाKत या पदावनत नहUं Aकया जाएगा बशत' Aक उनके 0खलाफ लगे गुनाह] क9 सूचना उYहW दU जाती है तथा जाँच के म मW अपनी बेगुनाहU को साबत करने का उ&चत मौका 5दया जाता है ।
- (2) सेवा क9 समािEत, बरखाKतगी या उप धारा-(i) के तहत पदावनत के आदेश के 0खलाफ आदेश के नगत होने के 905दन] के भीतर कुलपत को अपील Aकया जा सकता है तथा कुलपत का नणय इस तरह क9 अपील मW आ0खरU होगा ।

34. राHय सरकार क9 *नदQश देने संबंधी शि(तयाँ:-

रा4य सरकार को समय-समय पर 5दशा नद'श देने क9 शिOत, इस अ&धनयम के @ावधान] के अनु6प जैसी आवश्यकता हो, होगी तथा -वजव-व=यालय को ऐसे नद'श] का पालन करने क9 बावYता होगी ।

35. व*नयम बनाने क9 शि(त:-

- (1) इस अ&धनयम के @ावधान] के तहत शासी पहरष= को @दत शिOतय] के अतहरOत -वजव-व=यालय के काय] का @बंधन तथा @शासन के)लए -वनयम बनाने क9 शिOत होगी ।
- (2) पूव @दत शिOतय] के @त दुराह के बगैर, ऐसे -वनयम नन)ल0खत -वषय] से संबं&धत ह]गे-

24

- i. -वाव-व=यालय के अ&धकाHरय] क9 बैठक बुलाना, पहरष= क9 पहलU बैठक तथा बैठक

के Aयाकलाप या गणसंया (कोरम) के मुsे को छोड़कर ।

- ii. कुलपत के =वारा Aकए गए काय या @योग क9 शिOतयाँ ।

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016

- ीiii.अ&धकाHरय] क9 शिOत एवं कस्त^य, -वाव-व=यालय क9 स)मत एवं दूसरे नकाय का

गठन, @ा&धकार] के सदKय] क9 वैधता एवं अवैधता, सदKय का कायकाल, सदKय] को

हटाना या नयुOत करना, तथा इन मुs] से संबं&धत बातW ।

- iv. पहरष= या इस अ&धनयम के तहत गठित Aकसी नकाय क9 शिOतय] तथा कस्त^य के

पालन से संबं&धत काय@णालU ।

- v. -व=या&थय] का नामांकन तथा पाक्यम को तैयार करने मW मापदPड एवं काय@णालU ।

- vi. -वाव-व=यालय मW अनुशासन लागू करने क9 @Aया ।

- vii. -वाव-व=यालय क9 सपिस्त का @बंधन ।

- viii. -वाव-व=यालय =वारा @दत Zड[ी, उपा&ध, उपलिvध तथा इनका रsीकरण या वापस लेना

इSया5द ।

- ix. परUDा के संचालन के साथ परUDक] क9 नयुिOत तथा कायकाल ।

- x. नदेशक], @ाVयापक, सह-@ाVयापक, सहायक @ाVयापक या समतुय शैCDक पद],

अ&धकाHरय] या कमचाHरय] का आवयक योयताओं के साथ पद] के सृजन क9

अनुशंसा तथा ऐसे पद] पर ^यिOतय] क9 नयुिOत ।

- xi. -वाव-व=यालय को 5दए जाने वाले शुक्र तथा खच जो इसे पाक्यम, @)शDण, सु-वधाँ तथा सेवाँ उपलवध कराने के)लए ह] ।

- xii. तौर- तरUके तथा शत□, जो बीमा, पWशन और भ-वXय न&ध रा)श के गठन के)लए होती

हP तथा ऐसी दूसरU योजनाँ जो -वाव-व=यालय के कमचाHरय] एवं)शDक] तथा अ&धकाHरय] के 5हत के)लए ह] ।

- xiii. -वाव-व=यालय का अYय संKथाओं के साथ सपक के)लए नयम एवं शत□ ।

- xiv. बजट आकलन क9 तैयारU तथा लेखा का रख-रखाव ।

- xv. -वाव-व=यालय क9 ओर से अथवा -वाव-व=यालय के =वारा समझौते या अनुबंध के Aयावयन के तौर-तरUके ।

- xvi. -वाव-व=यालय के अ&धकारU,)शDक एवं कमचारU क9 नयुिOत क9 @Aया और वगाकरण ।

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 25

- xvii. -वजव-व=यालय के कमचारु एवं)शडक, अयय अ&धकारु, नदेशक अनुसंधान एवं - वकास के नयुिंत क9 अव&ध और नयम तथा शत□, वेतन तथा भस्ते, अनुबं&धक सेवाएँ, अनुशासन के नयम ।
- xviii. -वजव-व=यालय के कमचारु,)शडक एवं अ&धकारु क9 @तनयुिंत से संबं&धत नयम एवं शत□ ।
- xix. -वजव-व=यालय के कमचारु एवं)शडक, नदेशक तथा नदेशक अनुसंधान एवं -वकास के कस्तय एवं शिंत ।
- xx. फेलो)शप, छावृत, वजीफा (KटाइपWड), पदक तथा पुरकार से संबं&धत नयम एवं शत□ ।
- xxi. शासी पहरष= के नणय तथा आदेश का @माणीकरण ।
- xxii. छाावास से संबं&धत मुसे और कमचारु,)शडक के आवास तथा अत&थ गृह अनुशासनात्मक नयण सहत ।
- xxiii. वैसे सभी मुसे जो अ&धनयम के तहत -वहत ह।

36. थम कुलसचव क9 *नयुिंत:-

धारा 13 मW नहत तय के बावजूद, @थम कुलस&चव रा4य सरकार के =वारा अ&धनयम के @भाव मW आने के बाद तीन साल के)लए उन शत पर नयुंत होगा जिसे सरकार उ&चत समझती है ।

37. अ/थायी ावधान:-

इस अ&धनयम मW नहत तय के बावजूद, कुलपत, पहरष= से Kवीकृत लेने के बाद तथा रा)श क9 उपलवधता क9 िकथत मW इस अ&धनयम के @ावधान मW 5दए उसेय क9 पूत के)लए -वजव-व=यालय का काम करेगा तथा अ&धनयम के @ावधान के तहत कुलपत Aकसी @ा&धकार के अिक्त मW आने तक उस @ा&धकार क9 शिंतय एवं काय को करेगा ।

38. &*तपू*त>:-

इस अ&धनयम या इसके कानून के अयतगत, इसक9 शुW नXठा के साथ, अनुपालन के म मW Aकए गए काय के)लए -वजव-व=यालय के कुलपत, @तकुलपत, -वस्त परामशT, @ा&धकार या अ&धकारु या कमचारु या अयय कोई ^यिंत इन चीज से संबं&धत हो, से Aकसी @कार क9 न तो Dतपूत क9 मांग क9 जायगी न हU मुकदमा, अ)भयोजन या दूसरU कानूनी कारवाई इनके 0खलाफ क9 जाएगी ।

26

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

39. कठनाइय को दूर करने के लए रा4य सरकार क9 शिंत:-

- (1) इस अ&धनयम के @ावधान को अययित करने के म मW य5द कुछ कठनाई उषयन हो तो

रा4य सरकार राजप मW @का)शत आदेश के =वारा ऐसा @ावधान करेगी जो इस अ&धनयम के

@ावधान से तारतय रखते हुए कठनाइय को दूर करने के)लए आवश्यक @तीत हगे ।

- (2) इस भाग के अयतगत Aकए गए @स्येक आदेश यथाशी रा4य -वधायका के समD @Kतुत Aकये

जाएंगे ।

झारखंड रा4यपाल के आदेश से,

Rदनेश कुमार
संह,
 @धान स&चव-
 सह--व&ध
 परामशT,
 -व&ध -वभाग,
 झारखंड, राँची।

 अ
 &
 ध
 सू
 च
 ना
 30
)स
 तब
 र,
 201
 6

संया-एल०जी०-14/2016-162/लेज०--झारखंड -वधान मंडल =वारा यथा पाHरत और
 रा4यपाल =वारा 5दनांक 30)सतबर, 2016 को अनुमत झारखPड रDा शिOत -वाव-व=यालय
 अ&धनयम-2016 का ननांAकत अंेजी अनुवाद झारखंड रा4यपाल के @ा&धकार से इसके
 =वारा @का)शत Aकया जाता हैिजसे भारतीय सं-वधान के अनु_छेद 348 के खंड (3) के अधीन
 उOत अ&धनयम का अंेजी भाषा मW @ा&धकृत पाठ समझा जाएगा ।

THE JHARKHAND RAKSHA SHAKTI UNIVERSITY
ACT, 2016. (Jharkhand Act No. 22, 2016)

PREAMBLE

WHERE As it is desirable that there is important role of Police and Administration in maintaining law and order and ensuring peace and harmony in the society.

AND, WHEREAS the need of the time is to provide (i) efficient, trained and professional manpower to meet the demand of police and other security forces, (ii) opportunity to the youths of the State to build their career in state police, central police, military, and other private security forces, (iii) training and building manpower to tackle the upcoming challenges from various types of offences such as terrorism, economic offences, cybercrime, telecommunication offences and the offences requiring expertise in forensic science.

झारखPडगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 27

AND, WHEREAS the State Government has accordingly decided to establish and incorporate a University to be known as the Jharkhand Raksha Shakti University in the State of Jharkhand .

It is hereby enacted in the Sixty-seventh year of the Republic of India, by the Legislature of
Jharkhand as follows:

CHAPTER I PRELIMINARY

1. Short title and commencement:

- (1) This Act may be called "the Jharkhand Raksha Shakti University Act, 2016."
- (2) It shall come into force at once.

2. Definitions:

In this Act, unless the context otherwise requires,-

- (i) "Academic Council" means the Academic Council of the University constituted under section 19;
- (ii) "Council" means the Governing Council of the University constituted under section 16;
- (iii) "Dean" means the Deans of the University appointed under section 24;
- (iv) "Director of Research and Development" means the Director of Research and Development of the University appointed under section 12;
- (v) "Director" means the Directors of the Institutes of the University appointed under section 23;
- (vi) "Finance Committee" means the Finance Committee of the University constituted under section 21;
- (vii) "Financial Adviser" means the Financial Adviser of the University appointed under section 11;
- (viii) "prescribed" means prescribed by the regulations;
- (ix) "Pro Vice Chancellor" means the Pro Vice Chancellor of the University appointed under section 10;
- (x) "Registrar" means the Registrar of the University appointed under section 13;
- (xi) "Statutes" means the Statutes of the University made under section 35;
- (xii) "University" means the Jharkhand Raksha Shakti University established and incorporated under section 3.
- (xiii) "Vice Chancellor" means the Vice Chancellor of the University appointed under section 9;

CHAPTER-II UNIVERSITY

3. Establishment and incorporation of the University:

28

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

ी

- (1) There shall be established a University by the name of the "Jharkhand Raksha Shakti University".
- (2) The Vice Chancellor, the Pro Vice Chancellor, the Financial Adviser, Governing Council, the Academic Council, the Directors, the Director of Research and

Development, the Dean, the Registrar and such officers or members so long as they continue to hold such office or membership, hereby constitute a body-corporate by the name of the “ Jharkhand Raksha Shakti University”.

- (3) The University shall be a body corporate by the name as aforesaid, having perpetual succession and common seal with power, subject to the provisions of the Act, to acquire and hold property, to contract and shall, by the said name sue or be sued.

4. Headquarters of University:

The headquarters of the University shall be at such place as the State Government may,

5. Objectives of the University:

The objects of the University shall be as follows, namely:-

- (i) to develop an institution in Security Science and Management for bringing about excellence in all functions of security forces;
- (ii) to facilitate research in all matters of internal security;
- (iii) to extend the benefit of knowledge and skills with regard to law enforcement agencies thereby contributing to the development of individuals and society;
- (iv) to provide facilities to teachers and students for learning process so that individual attention is provided to the students with the objective of promoting scholarship and excellence;
- (v) to develop and conduct teaching methodology for security forces thereby encouraging innovation in training;
- (vi) to encourage and develop ideas and values enshrined in the Constitution of India to bring about improvement in the working of police and other security forces;
- (vii) to develop respect for the rule of law and faith in equitable administration;
- (viii) to promote career oriented courses through continuing education and practice;
- (ix) to carry out research work and organize programmes for better interaction of security forces with people;
- (x) to prepare youths of the State for becoming effective and efficient security personnel and to conduct courses and award degrees, diplomas and certificates for the said purpose;
- (xi) such other objects, not inconsistent with the provisions of this Act which the State

Government may, on application by the University, by notification in the *Official*

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016 29

6. University open to all irrespective of sex, religion, class, creed or opinion:

1) No person shall be excluded from any office of the University or from membership of any of its authorities, bodies or committees, or from admission to any degree, diploma or other academic distinction or course of study on the sole ground of sex, race, creed, caste, class, place of birth, religious belief or political or other opinion

(2) It shall not be lawful for the University to impose on any person any test whatsoever relating to sex, race, creed, caste, class, place of birth, religious belief or profession of political or other opinion in order to entitle him to be admitted as a teacher or a student or to hold any office or post in the University or to qualify for any degree, diploma or other academic distinction or to enjoy or exercise any privilege of the University or any benefaction, thereof.

7. Powers and functions of University:

Subject to the provisions of this Act, the University shall exercise the following powers and perform the following functions, namely:-

- (1) to administer and manage the University and to establish such institutes and centres for research, education and instruction as are necessary for the furtherance of the objects of the University;
- (2) to provide for instruction, training and research in such branches of knowledge or learning pertaining to police service and police science and military science;
- (3) to prescribe courses and curricula on providing flexibility in the education systems and delivery methodologies including electronic and distance learning;
- (4) to conduct examinations and confer degrees, diplomas or grant certificates and other academic distinctions or titles on persons subject to such conditions as the University may determine, and to withdraw or cancel any such degrees, diplomas, certificates, or other academic distinctions or titles in the manner as may be prescribed;
- (5) to confer honorary degrees or other distinctions in the manner as may be prescribed;
- (6) to establish such special centres, specialized study centres or other units for research and development as are, in the opinion of the University, necessary for the furtherance of its objects;
- (7) to provide for printing, reproduction and publication of research and other work and to organize exhibitions, workshops, seminars, conferences, etc;
- (8) to sponsor and undertake research in all aspects of functions, behavioural science, technology and allied areas in relation to investigation, detection and prevention of crimes and to rehabilitate the victims of crimes for making police objectively result oriented;
- (9) to collaborate or associate with any educational institution with like or similar objects;
- (10) to develop and maintain linkages with educational or other institutions in any part of the world having objects wholly or partially similar to those of the University, through exchange of teachers, students and scholars and generally in such manner as may be conducive to their common objects;

ी(11) to develop and maintain relationships with teachers, researchers and experts in the domains of investigation and detection of crimes and furthering the cause of criminal justice system for achieving the objects of the University;

- (12) to regulate the expenditure, and to manage the finance and to maintain accounts of the University;
- (13) to receive grants, subventions, subscriptions, donations and gifts for the purpose of the University and consistent with the objects for which the University is established and to enter into any agreement with the Central Government, the State Government, the University Grants Commission or other authorities or bodies for receiving any grants;
- (14) to receive funds from the industries or from any other sources as gifts, donations, benefactions or bequests and by transfers of movable and immovable properties for the purposes and objects of the University;
- (15) to establish, maintain and manage halls and hostels for the residence of students and accommodation for faculties, officers and employees of the University and the guest houses;
- (16) to supervise and control the residence and regulate the discipline of students of the University and to make arrangements for promoting their health and general welfare and cultural activities;
- (17) to institute and award fellowships, scholarships, prizes, medals and other awards;
- (18) to fix, demand and receive or recover fees and such other charges as may be prescribed;
- (19) to purchase or to take on lease any land or building or works which may be necessary or convenient for the purpose of the University on such terms and conditions as it may think fit and proper and to construct, alter and maintain any such buildings or works; (20) to sell, exchange, lease or otherwise dispose of all or any portion of the properties of the University, movable or immovable, on such terms as it may think fit, consistent with the interest, activities and objects of the University after taking prior permission of the State Government;
- (21) to draw and accept, to make and endorse, to discount and negotiate Government promissory notes and other promissory notes, Acts of exchange, cheques or other negotiable instruments;
- (22) to raise and borrow money on bonds, mortgages, promissory notes or other obligations or securities founded or based upon all or any of the properties and assets of the University or without any securities and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay out of the funds of the University, all expenses incidental to the raising of money, to repay and redeem any money borrowed after taking prior permission of the State Government;
- (23) to invest the funds of the University in or upon such securities and transpose any investment from time to time in such manner as it may deem fit in the interest of the University;
- (24) to execute conveyances regarding transfer, mortgage, lease, license, agreement and other conveyance in respect of the property, movable or immovable including Government securities belonging to the University or to be acquired for the purpose of the University after taking prior permission of the State Government;

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 31

- (25) to admit the students for the courses offered by the University in the prescribed manner;

- (26) to create academic, technical, administrative, ministerial and other posts and to make appointments thereto;
- (27) to regulate and enforce discipline among the employees of the University and to take for such disciplinary measures as may be prescribed;
- (28) to prescribe qualifications for professorships, associate professorships, assistant professorships, endowed professorship, honorary
- (29) to appoint persons as Directors, Director of Research and Development, Deans, Professors, Associate Professors, Assistant Professors, Adjunct Professors, Registrar, or otherwise as teachers and researchers of the University;
- (30) subject to the provisions of this Act and the regulations, any officer or authority of the University may, by order, delegate his or its powers (except the power to make regulations) to any other officer or authority under his or its control and subject to the condition that the ultimate responsibility for the exercise of the power so delegated shall continue to rest in the officer or authority delegating them;
- (31) to do all such other acts and things as the University may consider necessary, conducive or incidental to the attainment or enlargement of all or any of the objects of the University.

8. The Chancellor:

- (1) The Governor of Jharkhand shall be the Chancellor and shall, by virtue of his office, be the head of the University and the Chairman of the Governing Council and shall, when present, preside over the meetings of the Governing Council, and at any convocation of the University.
- (2) The Chancellor shall have the power to cause an inspection or review to be made by such person or persons as he may direct, of the University, its buildings, hostels, libraries, equipments and systems and processes and of any institution or centre maintained by the University, and also of the examinations, teaching, research and other work conducted or done by the University and to cause an inquiry to be made in like manner in respect of any matter connected with the administration, academic affairs and finance of the University.
- Provided that the Chancellor shall, in every case, inform the Vice Chancellor of his intention to inspect or inquire or to get the inspection or inquiry conducted and the University shall be entitled to representation therein.
- (3) The Chancellor may send the results of such inspection or inquiry to the Vice Chancellor and the Vice Chancellor shall communicate the views to the Governing Council and the Academic Council.
- (4) The Chancellor may, by order in writing, annul any proceeding or order of the University which is not in conformity with this Act, the Statutes, the Act or the Regulation or for which adequate reason is lacking.

32

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

ी Provided that before making such order or direction he shall call upon the University to show cause within the time specified why such order or direction should not be made, and if any cause is shown within the said time limit, he shall consider the same.

- (5) Every proposal of conferment of an honorary degree shall be subject to confirmation of the Chancellor.
- (6) (i) The Chancellor shall have the power to issue direction to the University in the administrative or academic interest of the University which he considers to be necessary. The direction issued by the Chancellor shall

be implemented by the Vice Chancellor, Governing Council, and other bodies of the University.

- (ii) Any person aggrieved by such order of the Chancellor may file representation to the Chancellor, who on consideration of the said representation, shall have the power to affirm, modify or rescind his earlier order and pass such other order or orders which he may deem fit and proper.

9. The Vice Chancellor:

- (1) (i) Persons of the highest level of competence, integrity, morals and institutional commitment are to be appointed as Vice-Chancellor. The Vice-Chancellor to be appointed should have served in any State/Central Police Department/ Organization or Military/Para Military Forces or have been in the State or Central administration connected with the training of State or Central Police Force or Military or Para Military Forces with proven record in research and/ or academic administrative organization.

- (ii) The selection of Vice-Chancellor should be through proper identification of a Panel of 3-5 names by a Search Committee through a public notification or nomination or a talent search process or in combination. The members of the above Search Committee shall be persons of eminence in the sphere of police/military establishment and shall not be connected in any manner with the University. While preparing the panel, the search committee must give proper weightage to academic excellence, exposure to the training system in the country and abroad, and adequate experience in administrative governance to be given in writing along with the panel of three to five names to be submitted to the Chancellor.

- (iii) Following shall be the constitution of the Search Committee:

- (a) A member nominated by the State Government, who shall be an eminent person and has achieved excellence in the field of education or administration and shall be the Chairman.
- (b) The Director or Head of an institute or organization of national repute, such as, National Defence College, Indian Military Academy, Police Training Colleges, or Vice-Chancellor of a Law University nominated by the State Government as Member.
- (c) A member nominated by the Chancellor who shall have knowledge about higher education of the State and have achieved excellence in the field of training/teaching;

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार,4 नवबर,2016 33

- (2) The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor in consultation with the State Government.

- (3) The tenure of the Vice Chancellor shall be of three years. Provided that he may be considered for reappointment for one more tenure after the completion of one tenure. The person appointed as Vice Chancellor shall retire during his tenure or extended tenure after attaining age of seventy years.

- (4) (a) The Vice Chancellor shall be a whole time officer and hold office during the pleasure of the Chancellor. Provided that he may be removed on the recommendation of the State Government.

- (b) Subject to the foregoing provisions of this section, the Vice Chancellor shall ordinarily hold office for a term of three years and on the expiry of the said term he may be reappointed by the Chancellor in consultation with the State Government.
- (5) The Vice Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University, the Vice Chairman of the Governing Council, Chairman of the Academic Council, and Finance Committee and shall be entitled to be present and speak at any meeting of any authority or other body of the University and shall in the absence of the Chancellor preside over meetings of the Governing Council and of any convocation of the University.
- (6) The Vice Chancellor shall be responsible for imparting of instructions and maintenance of discipline in the University.
- (7) The Vice Chancellor shall ensure implementation of the decisions of the authorities of the University.
- (8) The Vice Chancellor shall subject to the provisions of this Act, and the regulations have the power to make appointments to regular of Class-III employees on the basis of Staff Selection Commission and other Class-IV employee in various post as per sanctioned grades and scales of pay and within the sanctioned strength recommendation of the University and have full disciplinary control over such staff.
- (9) In the academic cadre persons fulfilling the qualifications laid down by the University Grants Commission shall be appointed as Professor, Associate Professor, and Assistant Professor on the recommendation of the Jharkhand Public Service Commission. But the Vice Chancellor may appoint a person on deputation or contract for a period of eleven months for one time.
- (10) The other terms and conditions of the Vice Chancellor shall be such as may be determined by the State Government.
- (11) The Vice Chancellor may resign from his office by writing under his hand addressed to the Chancellor and such a resignation shall take effect from the date of acceptance of resignation by the Chancellor.
- (12) Where any matter is of urgent nature requiring immediate action and the same cannot be immediately dealt with by the authority or body of the University empowered under this Act to deal with it, the Vice Chancellor may take such action as he may deem fit and shall forthwith report the action so taken by him to the authority or body of the University who or which, in the ordinary course, would have dealt with the matter:

34

झारखण्ड गजट (असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

ी Provided that if such authority or other body is of the opinion that such action ought not to have been taken by the Vice Chancellor, it may refer the matter to the Governing Council which may either confirm the action taken by the Vice Chancellor or annul the same or modify it in such manner as it thinks fit, and thereupon the action shall cease to have effects or, as the case may be, shall take effect in such modified form. However such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done by or under the order of the Vice Chancellor.

- (13) The Vice Chancellor shall exercise such other powers and perform such other duties as may be assigned to him by or under this Act or the regulations or as may be delegated to him by the Board or by the State Government.

10. The Pro Vice Chancellor:

- (1) The Chancellor shall appoint the Pro Vice Chancellor in consultation with the State Government in the same manner as prescribed for appointment of Vice Chancellor.
- (2) Persons of the highest level of competence, integrity, morals and institutional commitment who are serving in the Government as senior Police officers in not below the rank of Inspector General of Police are to be appointed as Pro Vice Chancellor.
- (3) The Pro Vice Chancellor of the University shall be a whole –time officer of the University. He shall hold office, on such conditions as may be determined, by the Chancellor, in consultation with the State Government, for a period not exceeding three years during the pleasure of the Chancellor.
- (4) The Pro Vice Chancellor shall:
 - (i) be principal coordinating officer of the University and exercise such powers and perform such duties as may be entrusted by general or special order of the Vice Chancellor;
 - (ii) in absence of the Vice Chancellor, or in the event of his being unable to perform the duties of his office, discharge all the functions and duties of the Vice Chancellor; (iii)
 - preside over, in absence of the Vice Chancellor, the meetings of the Governing Council, Academic Council, Finance Committee and such other authorities.

11. **Financial Adviser:**

- (1) The Financial Adviser shall be a whole time officer. He shall be appointed by the Chancellor either on deputation or by re-employment from amongst the officers of the Indian Audit and Accounts Service or from any Accounts Service of Government of India or Government of Jharkhand.
- (2) The terms and conditions of service of the Financial Adviser shall be determined by the Chancellor in consultation with the State Government and he shall ordinarily hold the post for three years.
- (3) The Financial Adviser will work under the administrative control of the Vice Chancellor.
- (4) In all proposals having financial implication the advice of Financial Adviser shall be mandatory.
- (5) Preparation of the University Budget, maintenance of accounts, audit of accounts from time to time, compliance of audit objections, timely receipt of grants from the State Government in accordance with the approved budget and also grants from other

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016 35

sources, arrangements for keeping the same properly and timely submission of utilization certificate of the grants received shall be the responsibility of the Financial Adviser.

- (6) It shall also be the duty of the Financial Adviser to see that all financial matters of the

University are dealt with in accordance with the Act and regulations.

12. **Director of Research and Development:**

- (1) The Director of Research and Development shall be appointed by the Vice Chancellor

with the approval of the Governing Council.

- (2) He shall be a renowned researcher having out-standing published research work in reputed National or International Journals.
- (3) The qualifications and other terms and conditions of service of the Director of Research and Development shall be such as may be prescribed by the regulations.
- (4) He shall assist the Vice Chancellor in managing the research and development related academic, administrative and other affairs of the institute.
- (5) He shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed or entrusted to him by the Vice Chancellor.

13. Registrar:

- (1) The Registrar shall be appointed by the University in such manner and on such terms and conditions as may be prescribed. The Registrar shall have the qualification laid down by the University Grants Commission.
- (2) The Registrar shall exercise the following powers and perform the following duties, namely:-
 - (i) he shall be responsible for the custody of records, common seal, the funds of the University and such other property of the University;
 - (ii) he shall place before the Governing Council and other authorities of the University, all such information and documents as may be necessary for transaction of its business;
 - (iii) In all suits and other legal proceedings by or against the University, the pleadings shall be signed and verified by the Registrar and all processes in such suits and proceedings shall be issued to, and served on, the Registrar.
 - (iv) he shall be responsible to the Vice Chancellor for the proper discharge of his functions;

CHAPTER- III

AUTHORITIES AND OFFICERS OF UNIVERSITY

14. Authorities of the University:

The following shall be the authorities of the University, namely :-

- (i) the Governing Council;
- (ii) the Academic Council;
- (iii) the Finance Committee; and
- (iv) such other authorities as may be declared by regulations to be the authorities of the University.

15. Officers of the University:

The following shall be the officers of the University, namely:-

- (i) The Chancellor
- (ii) The Vice Chancellor

- (iii) The Pro Vice Chancellor
- (iv) The Financial Adviser
- (iv) The Director of Research and Development
- (vi) The Directors
- (vii) The Deans
- (viii) The Registrar, and
- (ix) such other persons in the service of the University as may be declared by Act, to be the officers of the University.

16. Governing Council:

- (1) The Governing Council of the University shall consist of the following members,

namely;

- (i) the Chancellor, who shall be the Chairman of the Council;
 - (ii) the Vice Chancellor, who shall be the Vice Chairman of the Council;
 - (iii) the Pro Vice Chancellor;
 - (iv) the Financial Advisor;
 - (v) the Director of Research and Development;
 - (vi) one Director of the University, by rotation, to be nominated by the Vice Chancellor;
 - (vii) The G-O-C, 23rd Division *ex-officio*;
 - (viii) one Police Officer, not below the rank of the Additional Director General of Police, to be nominated by the State Government, *ex-officio*;
 - (ix) the Secretary to Government, Department of Higher & Technical Education, or a person not below the rank of Director nominated by him;
 - (x) the Principal Secretary of the Home Department, or a person nominated by him not below the rank of Deputy Secretary ;
 - (xi) one of the Vice-Chancellors of any of the Universities located in Jharkhand, to be nominated by the State Government;
 - (xii) five members from amongst persons who are associated with and have excelled in the field of Defence or Education or Public Service , to be nominated by the State Government;
- झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016 37
- (xiii) The State Government shall nominate four Members of the Legislative Assembly.
 - (xiv) The Registrar shall be the Secretary of the Council.

17. Powers and function of Council:

- (1) Subject to the provisions of this Act, the Council shall be responsible for the general superintendence, direction and the control of affairs of the University and shall exercise

all the powers of the University, and shall have the power to review the acts of the Academic Council and the Finance Committee and other committees or authorities of the University.

- (2) Without prejudice to the provisions of sub-section (1), the Council shall have the following powers and functions, namely:-
- (i) to take decisions on question of policy relating to the administration and working of the University;
 - (ii) to prescribe courses of studies at the University;
 - (iii) to make regulations;
 - (iv) to consider and approve the annual report and the annual budget of the University for every financial year;
 - (v) to invest money and funds of the University and to take decisions on the recommendations of the Finance Committee;
 - (vi) to publish or finance the publication of studies, treatises, books, periodicals, reports and other literature from time to time and to sell or arrange for the sale as it may deem fit;
 - (vii) to create or abolish posts of teachers and officers and employees of the University;
 - (viii) to appoint such committees as it considers necessary for the exercise of its powers and the performance of its duties under this Act;
 - (ix) to appoint the Directors of the University;
 - (x) to delegate any of its power to the Vice Chancellor, Pro Vice Chancellor, Directors, Deans, Registrar or any other officer, employee or any authority of the University or to a committee appointed by it; and
 - (xi) to exercise such other powers and perform such other functions as may be conferred or imposed upon it by or under this Act or the regulations, and such other powers for achieving the objects of the University.

18. Terms of office and vacancies among members of the Council:

- (1) Save as otherwise provided in this section, the term of a nominated member of the Council shall be three years from the date of his nomination.

38

झारखण्ड गजट (असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

(2) An *ex-officio* member shall continue so long as he holds the office by virtue of which

he is the member of the Council.

- (3) Any vacancy in the Council, of a member other than *ex-officio* member occurring

before the expiry of the prescribed period shall be filled in the same manner as provided

under section 16 and such a member shall hold office for the remaining period of the term of the member in whose place he is nominated.

- (4) A member shall be eligible for re-nomination for the next term.

- (5) A member may resign from his office by writing under his hand addressed to the

Chairman and his resignation shall take effect from the date it is accepted by the
Chairman.

19. Academic Council:

(1) The Academic Council of the University shall consist of the following members,

namely:-

(i) the Vice Chancellor, who shall be the Chairman of the Academic Council;

(ii) the Pro Vice Chancellor;

(iii) two academicians or professionals, to be nominated by the State Government;

(iv) two academicians or professionals connected with the service or training of

police, military or paramilitary forces, to be nominated by the State Government;

(v) the Director of Research and Development;

(vi) the Directors;

(vii) one Professor from each discipline of the University, by rotation, to be

nominated by the Vice Chancellor.

(2) The Registrar shall be the Secretary of the Academic Council.

(3) The term of office of the members nominated under clauses (iii), (iv) and (vii) of sub-

section (1) shall be three years.

20. Powers and functions of the Academic Council:

Subject to the provisions of this Act and the regulations, the Academic Council of the

University shall exercise the following powers and perform following functions, namely:-

(i) to exercise control over the academic policies of the University and be responsible for

the maintenance and improvement of standards of instruction, education and evaluation

in the University;

(ii) to consider matters of general academic interest either on its own initiative or on a

reference from the faculty of the University or the Council and to take appropriate action thereon;

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016 39

(iii) to recommend to the Council, such regulations as are consistent with this Act regarding

the academic functioning of the University including discipline of students; and

(iv) to exercise such other powers and perform such other duties as may be conferred or

imposed upon it by the regulations.

21. Finance Committee:

- (1) The Finance Committee shall consist of the following members, namely:-
 - (i) the Vice Chancellor, who shall be the Chairman of the Committee;
 - (ii) the Pro Vice Chancellor;
 - (iii) the Financial Adviser;
 - (iv) the Director of Research and Development;
 - (v) two members of the Council (one of them shall be a Government nominee on the Council) to be nominated by the Council;
 - (vi) the Directors;
 - (vii) one Professor, by rotation, to be nominated by the Council.
- (2) The Registrar shall be the Secretary of the Committee.
- (3) The term of office of the members nominated under clauses (v) and (vi) shall be three years.

22. Powers and functions of the Finance Committee:

- Subject to the other provisions of this Act, the Finance Committee shall exercise the following powers and perform the following functions, namely:-
- (i) to examine the annual accounts and annual budget estimates of the University and to advise the Council thereon;
 - (ii) to review from time to time the financial position of the University;
 - (iii) to make recommendations to the Council on all financial policy matters of the University;
 - (iv) to make recommendations to the Council on all proposals involving raising of funds, receipts and expenditure;
 - (v) to provide guidelines for investment of surplus funds;
 - (vi) to make recommendations to the Council on all proposals involving expenditure for which no provision has been made in the budget or for which expenditure in excess of the amount provided in the budget needs to be incurred;

40

झारखण्ड गजट (असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

ी(vii) to examine all proposals relating to the revision of pay-scales, up gradation of the scales and those items which are not included in the budget prior to placing before the Council; and

(viii) to exercise such other powers and perform such other functions as may be conferred or imposed upon it by the regulations.

23. Directors:

- (1) The Directors of the institutes shall be appointed by the Vice Chancellor with the approval of the Council in such manner and on such terms and conditions as may be prescribed.
- (2) The Directors shall assist the Vice Chancellor in managing the academic, administrative and other affairs of the institutes and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed or entrusted to them by the Vice Chancellor.

24. Deans:

- (1) The Deans shall be appointed by the Vice Chancellor from amongst the faculties of the University.
- (2) The Deans shall assist the Vice Chancellor and respective Directors of the institutes or centres in managing the academic and other affairs of the University and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed or entrusted to them by the Vice Chancellor and the Director.

C
H
A
P
T
E
R
-
I
V

F
I
N
A
N
C
E

25. Payment by State Government to the University:

The State Government shall give to the University from time to time such sums of money and in such manner as may be considered necessary for the exercise of powers and discharge its functions by the University under this Act.

26. Fund of University:

- (1) The University shall establish a fund to be called the “University Fund” consisting of:

- (i) any contribution or grants or loans by the State Government and the Central Government;
- (ii) the income of the University from all sources including income from fees and charges;
- (iii) the money received by the University by way of grants, loans, gifts, donations, benefactions, bequests or transfer endowments and other grants, if any;
- (iv) the money received by the University from the collaborating industries in terms of the provisions of the Memorandum of Understanding entered between the University and the Industry, for establishment of sponsored chairs, fellowships or infrastructure facilities of the University; and

झारखण्ड गजट (असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016 41

- (v) the money received by the University in any other manner or from any other source.

- (2) All funds of the University shall be deposited in such banks or invested in such manner as the Council may decide on the recommendation of the Finance Committee.
- (3) The funds of the University shall be applied towards the expenses of the University including expenses incurred in the exercise of its powers and discharge of its functions by or under this Act.

27. Accounts and audit:

- (1) The University shall maintain proper accounts and other relevant records and prepare an Annual Statement of Accounts, including the income and expenditure account and the balance sheet, in such form and in such manner as may be prescribed.
- (2) The University shall adopt a proper system of internal checks and balances and control in the discharge of its financial, accounting and auditing functions as may be prescribed by the Regulations;.
- (3) The accounts of the University shall be audited every year by an Auditor, who shall be a Chartered Accountant as defined in the Chartered Accountant Act, 1949 or a firm of Chartered Accountants, to be appointed by the Council.
- (4) The accounts of the University certified by the person or firm so appointed or any other person authorized in this behalf together with the audit report thereon shall be placed before the Council and the Council may issue such instructions to the University in respect thereof as it deems fit and the University shall comply with such instructions.
- (5) The accounts of the University shall be audited by an internal auditor who shall be a Chartered Accountant or a firm of Chartered Accountants appointed by the Council to ensure concurrent audit of all books of accounts and such periodic internal audit reports shall be placed before the Council for review.
- (6) The University shall prepare for each year an annual report of its activities of the previous year containing such particulars as the Board may specify and submit the same in the form of annual report to the Board on or before such date as may be prescribed, for review and approval.
- (7) The copy of the annual report and annual audit report along with the resolution of the Council thereon shall be submitted to the State Government and it shall be laid, as soon as may be after it is received, before the State Legislature.

28. Pension, Insurance and Provident Fund:

- (1) The University shall, with the approval of the Council, constitute for the benefit of its officers, teachers and other employees in such manner and subject to such conditions as may be prescribed, such schemes of pension, provident fund and insurance as it may deem fit and also aid in establishment and support of the associations, institutions, funds, trusts and conveyance calculated to the benefit of the officers, teachers, employees of the University.
- (2) Where any such provident fund has been constituted, the provisions of the Provident Funds Act, 1925 shall apply to such fund as if it were a Government Provident Fund.

29. Act and proceedings not be invalidated by vacancies:

No act or proceeding of the Council or any authority of the University or any committee constituted under this Act or by regulations shall be invalidated on the ground merely of the existence of any vacancy or defect in the constitution of such Council, authority or committee of the University.

30. Conferment of degrees, diplomas and grant of certificates by University:

Notwithstanding anything contained in any other State law for the time being in force, the University shall have powers to confer degrees, diplomas and grant certificates and confer honorary degrees and other academic distinctions and titles as approved by the Council.

31. Returns and information:

The University shall furnish to the State Government, University Grants Commission and other statutory authorities, such reports, returns, statements and other information as may be required by them from time to time.

32. Officers and employees to be public servants:

Every officer, teacher and employee of the University shall be deemed to be a public servant within the meaning of section 21 of the Indian Penal Code.

Explanation:- For the purpose of this section, any person, who is appointed by the University for a specified period or a specified work of the University or who received any remuneration by way of allowances or fees for any work done from the University fund, shall be deemed to be an officer or employee of the University while he is performing the duties and functions connected with such appointment or work.

33. Dismissal, removal, reduction or termination of services of staff of University:

(1) No officers or employees or members of the teaching, non-teaching and other academic staff of the University shall be dismissed or removed or reduced in rank except after an inquiry in which he has been informed about the charges levelled against him and given a reasonable opportunity of being heard in respect of those charges.

(2) An appeal against an order of dismissal, removal or reduction in rank under sub-section (1) or of termination of service shall be made to the Vice Chancellor within ninety days from the date of communication of such order and the decision of the Vice Chancellor in such appeal shall be final.

34. Powers of State Government to give directions:

The State Government shall have powers to issue directions from time to time as may be required for compliance of the provisions of this Act, the regulation made thereunder and any other law for the time being in force and the University shall be bound to comply with such direction.

35. Powers to make Statutes:

झारखण्डगजट(असाधारण) शुवार, 4 नवबर, 2016 43

(1) Subject to the provisions of this Act, the Council shall have in addition to all other powers vested in it, the power to make Statutes to provide for the administration and management of the affairs of the University.

(2) In particular and without prejudice to the generality of the foregoing powers, such Statutes may provide for all or any of the following matters, namely:-

(i) the summoning and holding of meetings of the authorities of the University, other than the first meeting of the Council and the quorum and conduct of business at such meeting;

- (ii) the powers and functions to be exercised and discharged by the Vice Chancellor;
- (iii) the constitution, powers and duties of the authorities, bodies and other committees of the University, the qualifications and disqualifications for membership of such authorities, terms of office of the membership, appointment and removal of member thereof and other matters connected therewith;
- (iv) the procedure to be followed by the Council and any committee or other body constituted by or under this Act or by the regulation in the conduct of the business, exercise of the powers and discharge of the functions;
- (v) the procedure and criteria to be followed in establishing courses of study and admission of students;
- (vi) the procedure to be followed for enforcing discipline in the University;
- (vii) the management of the properties of the University;
- (viii) the degrees, diplomas, certificates, and other academic distinctions and titles which may be conferred or granted by the University and withdrawal or cancellation of any such degree, diplomas, certificates and other academic distinctions and titles and the requirements thereof;
- (ix) the conduct of examinations including the term of office and appointment of examiners;
- (x) the creation of posts of Directors, Professors, Associate Professors, Assistant Professors, or equivalent academic designations or posts, officers and employees of the University, and the appointment of persons to such posts including the requisite qualifications thereof;
- (xi) the fees and other charges to be paid to the University for the courses, training, facilities and services provided by it;
- (xii) the manner and conditions for constitution of insurance, pension and provident funds and such other schemes for the benefits of officers, teachers and employees of the University;
- (xiii) the terms and conditions for association of the University with other institutions;

44

झारखण्ड गजट (असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016

ी

- (xiv) the preparation of budget estimates and maintenance of accounts;
- (xv) the mode of execution of contracts or agreements by or on behalf of the University;
- (xvi) the classification and procedure for appointment of officers, employees and other staff of the University;
- (xvii) the terms and conditions and tenure of appointment, salaries and allowances, contractual services, rules of discipline and other conditions of service of the Director of Research and Development, Directors, other officers, teachers and employees of the University;
- (xviii) the terms and conditions governing deputation of teachers, officers and employees of the University;

- (xix) the powers and duties of the Director of Research and Development, Directors and other officers, teachers and employees of the University;
- (xx) the terms and conditions governing fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;
- (xxi) the authentication of the orders and the decisions of the Council;
- (xxii) the matters relating to hostels and halls of residence and housing for faculties, officers and employees and guest house including disciplinary control therein; and
- (xxiii) all other matters which by this Act are to be or may be prescribed.

36. Appointment of First Registrar:

Notwithstanding anything contained in section 13, the first Registrar shall be appointed by the State Government as soon as practicable after the commencement of the Act for a period not exceeding three years and on such conditions as the State Government thinks fit.

37. Transitory provisions:

Notwithstanding anything contained in this Act, the Vice Chancellor may, with the prior approval of the Council and subject to availability of the funds, discharge all or any of the functions of the University for the purpose of carrying out the provisions of this Act and the regulations and for that purpose, may exercise any power or perform any duty which by or under this Act and regulations are to be exercised or performed by any authority of the University until such authority comes into existence in accordance with the provisions of this Act and the Regulations.

38. Indemnity:

No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against and no damage shall be claimed from the University, the Vice Chancellor, the Pro Vice Chancellor, the Financial Adviser, the authorities or officers or employees of the University or any other person in respect of anything which is done in good faith or purporting to be done in pursuance of this Act or any regulations made there under.

झारखण्ड गजट (असाधारण) शुवार, 4 नवंबर, 2016 45

39. Power of State Government to remove difficulties:

- (1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by order published in the *Official Gazette*, make such provisions not inconsistent with the provisions of this Act, as may appear to be necessary for removing difficulties:

Provided that no such order shall be made under this section after the expiry of two years from the date of commencement of this Act.

- (2) Every order made under this section shall be laid, as soon as may be after it is made, before the State Legislature.

झारखंड रा4यपाल के आदेश से,
Rदनेश कुमार सिंह,
 @धान स&चव-सह--व&ध परामशT,
 -व&ध -वभाग, झारखंड, राँची।

झारखण्ड राजकय मुदणालय, राँची =वारा @का)शत एवं मु5दत,
झारखण्ड गजट (असाधारण) 815--50 ।

